"जीवन की अवधारणा का अध्ययन"

(कक्षा 3, 5 और 7 बालक–बालिकाओं के सदर्भ मे)

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल

D – 129 की

एम.एड (प्रारम्भिक शिक्षा) उपाधि परीक्षा

की

आशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत C

लघुशोध प्रबन्ध

1999–2000

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

निर्देशक
श्री अविनाश चन्द पचौरी
प्रवाचक

शोधकर्त्ता
अनिल सिह
एम.एड (प्रारम्भिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
एन सी ई आर. टी

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री अनिल सिंह** जो क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल मे नियमित छात्र के रूप मे अध्ययनरत है, ने एम एड (प्रार शिक्षा) मे स्नाकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध प्रबन्ध कार्य "जीवन की अवधारणा का अध्ययन" (कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सन्दर्भ मे) मेरे निर्देशन मे विधिवत पूर्ण किया है ।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध कार्य पूर्णतया मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एव इस आशय से विश्वविद्यालय मे प्रस्तुत नही किया गया है ।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र २००० की एम एड (प्रार शिक्षा) मे स्नाकोत्तर उपाधि परीक्षा की आशिक सम्पूति हेतु प्रस्तुत करने मे उपयुक्त तथा सक्षम है ।

दिनाक
भोपाल

अविनाश चन्द पचौरी
प्रवाचक
एम एड शिक्षा सस्थान,
भोपाल (म प्र)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध के समस्त सोपानो को पूर्ण करने का समस्त श्रेय मेरे श्रद्धेय श्री ए सी पचौरी, प्रवाचक, क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान को है, जिन्होने निरन्तर मुझे परामर्श, निर्देशन तथा प्रोत्साहन देकर अपना अमूल्य समय और सहयोग दिया । प्रस्तुत लघुशोध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है । आपके द्वारा आत्मीयता एव वात्सल्य पूर्ण सहयोग जो मुझे प्राप्त हुआ, वह मुझे अविस्मरणीय रहेगा ।

मै आदरणीय प्राचार्य,डॉ जी के लहरी,अधिष्ठाता प्रो एम एस गुप्ता, डा खेमराज शर्मा, डा आई डी गुप्ता, डॉ जी एन पी श्रीवास्तव,डा एस.पी मिस्त्री, डा एस.के गुप्ता, डा सविता पटनायक, डा अविनाश ग्रेवाल, डा आई वी चुगताई, डा.के के खरे, डा सुनीति खरे का हद्य से आभारी हूँ जिन्होने मुझे लघुशोध प्रबन्ध पूर्ण करने मे धैर्य व साहस प्रदान किया है और जिनके द्वारा मैने संक्षिप्त ज्ञान अर्जित किया है ।

मै रवि प्रकाश खरे (व्याख्याता-पन्ना) कु रश्मि शर्मा, श्री नरेन्द्र बघेल तथा मेरे सहपाठियो मे श्री प्रकाश नामदेव, श्रीमती मेघा वाजपेयी, जसबीर सिह, मनोज सत्रे (बी एड छात्र) कु योगिता, अनिल मिश्रा, मोहर सिह, का हदय से धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे मेरी सहायता की।

मै सस्थान के पुस्तकालय के समस्त स्टाफ एव प्रदत्त सकलन हेतु चयनित सस्थाओ के प्रध्यानाध्यापको को जिन्होने इस शोधकार्य को पूर्ण करने मे सहयोग प्रदान किया ।

मै अपने माता-पिता का चिरऋणी रहूगा जिन्होने मेरे अध्ययन की पूर्ति के लिये तन-मन धन से सहयोग प्रदान किया ।

अनिल सिंह
एम.एड. (प्रार.शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान,भोपाल

अनुक्रमणिका

अध्याय प्रथम

प्रस्तावना — पृष्ठ क्रमाक

1 1 सकल्पना 2

1 2 अवधारणा 2

1 3 जीवन की अवधारणा 3

अध्याय द्वितीय

शोध प्रारूप

2 1 सक्षिप्त परिचय 7

2 2 सम्बधित साहित्य का पुनरावलोकन 7

2 3 विधि 9

2 4 न्यादर्श 10

2 5 निष्कर्ष 10

अध्याय तृतीय

शोध प्रारूप

3 1 शोध समस्या 13

3 2 शोध कार्य की आवश्यकता 13

3 3 शोध के उद्देश्य 14

3 4 शोध प्रश्न 15

3 5 शोध चर 15

3 6 शोध का शीर्षक 16

3 7 शोध कार्य की परिसीमाए 16

3 8 शोध हेतु प्रयुक्त न्यादर्श 16

अध्याय चतुर्थ

शोध आदर्श एव शोध उपकरण प्रारूप तथा प्रशासन

4 1 शोध कार्य की भौगोलिक सीमाए 19

4 2 न्यादर्श की विशेषताए 19

4 3 न्यादर्श चयन प्रक्रिया 19

4 4 शोध मे प्रयुक्त उपकरण तथा व्याख्या 20

4 5 प्रदत्तो का सकलन 22

4 6	प्रदत्तो का सकलन के दौरान होने वाली कठिनाइयॉ	22
4 7	प्रदत्त सकलन हेतु तकनीकी एव प्रक्रिया	22

अध्याय पचम्
प्रदत्तो का विश्लेषण, एव व्याख्या

5 1	परिचय	25
5 2	प्रदत्तो का सारणीयन	25
5 3	प्रदत्तो का विश्लेषण एव व्याख्या	25

अध्याय षष्ठम्
शोध निष्कर्ष

	शोध निष्कर्ष एव आरेखीय निरूपण	65

अध्याय सप्तम्
सक्षेपिका

7 1	परिचय	75
7 2	शोध कार्य की आवश्यकता	76
7 3	शोध के उद्देश्य	76
7 4	शोध प्रश्न	77
7 5	शोध चर	77
7 6	शोध मे प्रयुक्त न्यादर्श, न्यादर्श की विशेषताए एव न्यादर्श चयन प्रक्रिया	78
7 7	शोध का शीर्षक	78
7 8	शोध का सीमाकन एव उपकरण	78
7 9	शोध दौरान प्रदत्तो का सकलन	78
7 10	शोध मे प्रयुक्त तकनीकी	79
7 11	शोध निष्कर्ष	79
7 12	शोध दौरान सुझाव	81
7 13	भावी शोध हेतु सुझाव	81

अध्याय अष्ठम्

	सदर्भ ग्रथ	83
	परिशिष्ठ	84